श्रीगणेशायनमः॥श्रीशिवायनमः॥१

स्नार्पणनमः॥अथकौकतात्वनासावलीणी

अलि॥सोरठा॥

कामनीयछवि

निवसंतकरमिंतवरा॥१॥दक्ष.निशा॥२

तिनकौमंगलाचारन

सारहै॥यामैकुछुसारनहीहै

फर

१९

स्वर्गपूजाचोडुसरो

२

दुपटेलहै॥श्री

कैमिलन
जानिये परंत वह सुषकव मिलै है
है मनुष्य कोक पढे है तब वासुषकों
त है कोकमें अस्त्रीन की जाति है
स्त्रीन की रूप है और अनेक रति
है सो ये बात जाने बिना सुष नहीं है
पत्र कोक अस्त्री है और सबरति
सामग्री है तो हू पशु को सो भोग है
आगेले पुरवल कहो है २ दोहा पिंग
बैन छंद नहीं रचै और गीता बिन ग्यान
कपटी बिन रति करै ते नर पशु समान
और अनेक होत सुंदर मंदर है तामैं

वरणञ्जैसोसरीराकोवरणहोय।
सानेत्र।संपुर्णञ्जै
तहै।
के।७१ञ्जौरऊवेकुचजाके।
हेजाको।

कोमलसरीरहोतहै।।

याहै।चतुरहोय।।
चनधीरावोले।
तिरायै।
जावतीहोय।मानवहोतकरे।।
लकीसुगंधहे।।
सुगधहेतहै।।

गुरु

मेहोय। औरकोककलानहीजानतो

य। तोरतिसेपुरुषसंगममेविजैनहि

वे। [illegible]

[illegible]। करम्कासडुजघरजनमवर

मतकोधाम। विसमधयस्वोयाग्रंथको

ककलाधरनाम १ [illegible] त

प्रथमत्रस्त्रीनकीजातिच्यारिहै सोक

हैयेकतोपद्मनी १ दुसरीचित्रानी

तीसरीसंषनी ३ चौथीहस्तनी ४ अ

न च्यारोनकेजुहेजुदेमेहलछनक

तहै। [illegible] चं[illegible]पुरुषपदु

पवा लीहंसकीसीहोय॥पहप
वत्र
सदारायैहै॥२॥इतिपमनीसरूप॥त्र
नीसरूप॥चित्रनीत्रंगहलकोहोय

तछोटीहूनहीहोय

जायकेलावेसेयत्र

तलाग॥
ती॥वीचमेकोमलचकु

डेहोतहे॥
कीमुषपेडीसीनोहोय॥

ग्लीकहि?
पूलीकें [illegible] ग्लीपूजा र रघुहोतहै
नलकौ [illegible] हैजन्वाहोय पाक
मीतनीरषुजाके कलौ [illegible] रख्नहो
गी [illegible] चहोहिधांरहे मानहै नेगकु
महेगोराये उनकावालया
अगजाकोसहातातेरहे औरद
मनवसासकरे छुरिकानदेने
[illegible] कामेंमापनलेपकेसंत
जानवहैं [illegible] करै वारवारमेंपि
पकनिलेय औरवकी [illegible] मा
[illegible] तासोंपीताहि पूजाको ह्या

य॥युगल.

३

होय॥जलथोरोजामै॥
स्तनयरखेपर॥इतिश्रीस्तनी॥अथहसतनी॥
स्वरूप॥

वालहोतहै

को॥लज्जाकरैनहीगौर
वर्णपानजाको॥औरयाकीवाणीछोटीहोयपत
ईरायै॥कामजलमेंहोथीकेमदकीसी
वासहोय॥मंदमंदगतिचालेसुरतमेपुर

वाणीबोलैनारेहोयऐसेलच्छेसीहस्तनी
रीतहै॥इतिहस्तनीस्वरूप॥इतेश्रीकोककल
धरग्रंथेश्रीजातीवरणनं॥ नोमकला॥य

पेढलाक ~

सोइन अस्त्रीन को आपके समान पु
होय। तब संजोग मै आनंद होई। जे
हले कहे आये है आनंद की समान
वासते पुरसन जाति कहत है।
चारि जाति के है। येक तो ससा पुरष है
दुजो कुरंग है २ तीसरो वृषभ है ३ चौ
अश्व है ४। अवरन के जुदे जुदे स्वरूप क
हत है। अथ ससा लक्षन। ससा
जानिये जाको सीतल सुभाव होय।
नवंत होइ संतोषी होइ।
होय। दातार होइ। गोरो बदन मा

परेतत्र्यलहोइ

य॥

वचनगवनयेअलपजाके॥
कोमलसुक्ष्महोई॥ सोससापुरसके
ये॥२॥ इतिसुसापुरस॥ ॐ
न॥ कुरंगपुरसचतुरहोतहै॥
॥ सिद्धहोइ

तचाहै रागरंगचाहै ॥ ५
री॥
धुरीरयअंगनहींहोइ॥

है॰

कहिये॥ तितु॰ ... ॥

वृषनपुरसमारीसरारहोय॥

...रसुभावहोइ॥ ...होय॥ ...र

होय॥ कामकेलिमेचाववहोत

...केहोयचितचपलहोय॥

...रघहोय॥ तन्नाम स

...जामारी॥ छातीकठोरज्ञा

थपुन...नकानाहीहोय॥ भुजाभा

तीकठोर॥ बालकरडेजाकेमं

होय॥ लोभीहोय॥ नोग्रंगलप

जाकेहोय॥ सोरूपमजानिये॥

मलछन॥३॥ अथ कक्ष १९ ॐ

चविचरिवेकहै। चक्रतसोरहै।
चल। उतावलोचलै॥

हसत्रंगुलहोयजाकैसोत्रश्वपुरषक

तश्रप. पलछना

अपराते मैस

है॥
तहै।

मै

नेषहै। अंसात अंगलमध्यमहोतहै
आव अंगलहोयसोउतमहै। औरख
मकेनवअंगललिगकहोहैसो
नोसमानहै। अरदसहोयतोउतमहै
आवहोयतोकनिषहै। औरअंष्ठपुर
षकेवोहअंगललिंगहोतहैसोउतमहै
समपारहहोयसोकनिष्टहै। सोमुष्यप
छीपुरषनकोलिंगसोहै। अथयुरित
नहीजाति। तीनप्रकारकीहै। येकतोहि
नी१उजावउवा। तीजीहस्थनी३।
अतानकेलछनपहलेवीकहेथे चि
त्रनीतोहिरनीहै। संखनावउवाहै।

वहोय॥

कमलकीसुगंधहोय॥

कर॥नितंवभारीहोय॥आंगुलीसुधी

होय॥गजकीसागतिहोयमनचंचल

रागचाहे॥नगच्छहअंगुलगंभीरहोय

सोमृगीकहीहे॥२॥अथ [illegible] ॥व

डवानामथोड़ीकोहे॥सीसजाकोनहूं

कमारे होउ मारी कुजा उदरपत
रोसघनोजामे लालकमलहाथ
जाकेनिदाघणीसुनोजन
णी कमरिलंबीचलचितरहे
रमेप्रीतिवहोतराषे =
मांसकी सुगंधत्रावे सं
वारमैछूटेसोवडवाकेहिय नो
ल मगगंनीरजाकी [illegible]
मारीनासिकाहोवकपोल
नवडे ग
लेनेकहेताके
लक्ष होइ मारीहाथपाहोय

अरुरुपीसवरहोय।रति
होय॥

जनवहोतकर॥पापभैइच्छारहै।कामज
लभेहाथीकेमदकीतुरगंधहोइ।नगवा
रहअंगुलगंभीरहोय।यहहस्तनीहैये

प्रथम
अधम।होजातहै॥सोविचारलीजय॥इ
तिश्रीकोकच
रननेचतुरथकला॥अथसमरतिवरन
न॥रतिकहतेहैजोहिरनीअस्त्रीहोय॥
कुरंगपुरसहोयतोसमानरतिहै।ओर
वडवास्त्रीवृषनपुरसइनकी।समानति

वा॰ ॰
रतिहै॥ अथनवरतिवडवातोअ
औरअश्वपुरषह्नकीउंचरति
थनीवरतिवडवातोअस्त्री॥॰
तहैसमानरतिहोयतोउंतमहै।
रंगपुरसहोय। औरहस्तनीलुगा
व पनातोनीचरतिहोतहै॥२
रतिअथआतिऊ
रणीअस्त्रीअश्वपुरषहोय
वरतिहै॥१॥ औरहस्तनीलु
कुरंगपुरसहोयतोअ
इनिरतिक्ष॥ औरकहतेहै

है॥

होतहै।

यतो। वहप्रुजालमिटैनही॥
पैनही। सुषनही होयं॥
सो स्त्री भरतार

भीतर सो भगवहेतको।

सुष

रायहे सो स्त्री वसहोइ र

त्र स्त्री कामजलछूटतहे त

सो करतहे रोवेलगजातहे

होइके नेत्र मूंदिलेतहे वडो

कछुनहीसहसकतहे

तहारतिको सुषपकहे

तो वहोतवार ताई धीराधीरार

वाकुचिररतिकहतहे

घीरवानही उतावलानही

मसमैहे १ तासरीवहोत

रतिकेरसग्रकालहे १

तिकारतिहै
मिलै॥ तबनौभेद
अगारमै दहोतहै।१५
होऊ मिलैतबनौभेद॥१६॥
तबसताईसभेदहोतहै॥२
मिलीजै। ये सताईसर

तहांकायाव्याकुलहोइ॥

इतिश्रीकोकाकलाधरग्रंथरति

विलासकरे तो वह अंसंननहीहोय
चिवोवृथाहीहै वह अस्नावारति
ऐसेमानतहै जैसेरोगीनामकु-
मुहिपीवतहै तातेरुचिर्पजा
सोयहकहीजातहै महीनाकेदोय
होतहै तहांकृष्णपक्ष शुक्लप
पक्ष नहैमे अस्त्रीनकेवामेअं
देववसतहै कृष्णपक्षकीपडवाकु
मेरहै फेरमासकोपगकेअगूठमे
वे सुकलपक्षकीपडवाकुपगके
गमेरहै पुनकुमांगमेआवै
नमेदेषिलीजे

काल चिर	मध्य		चेड़ै	चिर मध्य	चिर मेद
चेड़	मध्य	मेद	मध्य चेड़	मध्य मध्य	मेध्य मध्य
लघु	मध्य	चिर	छिप्र चेड़	मेध्य मध्य	मेद

अथकामदेवसकोजंत्र अथकामदेव
वासकोजंत्रलीष्यते॥ छैनम॥१॥

४	गाल	चुम्बन	१२	गाल	चुम्बन
५	ग्रीवा	नखक्षत	११	ग्रीवा	नखदान
६	काख	नखदान	१०	काख	नखदान
७	कुच	नखदान	९	कुच	मर्दन
८	उदर	मर्दन	८	छाती	मर्दन
९	नाभि	मर्दन	७	नाभि	मर्दन
१०	नितंब	मर्दन	६	नितंब	मर्दन
११	भग	रति	५	भग	रति
१२	जाँघ	मर्दन	४	जाँघ	मर्दन
१३	गुल्फ	मर्दन	३	गुल्फ	मर्दन
१४	पग	मर्दन	२	पग	मर्दन

अब और कहत है। यह सब लुगाइनकी

प्रीतिनर्क

नतिथनमे रतिकी यासूबत है। याजो त्रैमै सिथिलिषा है॥ अथ प्रागमे द॥ रतिके चार पहर है तिनमे सांजा पहरमै जो लुगाई रति चाहत है सो कहत है पदमनी चौथे पहर मे रतिकरै जलदी छूटत है

रखिचनारातिके

और खैं संपनी तीजे पहरमै द्रवै है दूसरे पहरमै और तिनके मध्याल महस्तनी द्रवै है २॥ अथ पदमनी की और भेद होत है

लघुचिर	लघुमध्य	लघुसीघ्र	पदमनी
चिरचिर	मध्यमध्य	मध्यसीघ्र	रतिके सं
मंध्यचिर	चिरमध्य	चिरसीघ्र	जोगसो

[illegible]॥ अनकहत
ुरीजुरीतिथिकही॥ ग्वाल
ोलिनतिनजुरीजुरीवि
[illegible]॥ केवसोलिप
ैगाटीतरे॥ छोरेछोरेनषगाडे॥ कपोल
नेतंव॥ पीव॥ कांष॥ छाती॥ इन
लोचनमेसंलगाऊे॥ ग्यारसूलिलारचू
करे॥ तबरीमांवडेमेतहे॥ मुषतेसाका
करकेपरमनाइकेहे॥ २॥ [illegible]
कीरितिसुषमहोछनकोजुवनकरे॥
जांयकपोलपगाकुचयहामईतेन
करेकामसेवज[redacted]लहीजागे॥ परमनाव

ोयततकालद्रवैहै २॥चौथकीरति॥पहलै
ौगाढोआलिंगनकरै॥दोऊकुचवहोतम
पलै॥होठकाटै॥पेटवांह॥जाघइनवोरनव
ाडे॥हासविरलासकरै॥ऐसकामदेवलै
गावै॥चतुरथाकोपदमनीद्रवैहै॥पंचम
कीविय॥होठकाटै॥कुचमसलै॥दोऊनेत्र
चूमै॥वारवारऔरहातिमेहाथनसोकेस
रमेहषीचैपदमनीवाकुलहोइछूटैध
रतिपचमनीचंद्रकला॥अथचित्रनी॥
ि॥आगै॥दसमी॥दाहसीइनतिथनमै
चत्रनीरति॥चाहतहै॥छठरति॥प्रथम
ोठचूमै॥आलिंगनकरै॥कंठसौलगावै
नैतंवनमै॥नषलगावै॥वहोतचित्रनीद्रवै
॥अष्टमी॥कंठनमै॥भुजागेरिलिपटावै॥
नाभिमैनषदेनदेइ॥होठकाटै॥वहोत॥ता

अपनेवायहाथन स्तनलुग
नकौमलै धीरांधी रोजायकुचकमरीपाव
नमा और ग्रीवारहांनयदे मर्दनकरै
वारललाटहुमे सातावहीइवेहे ३
री गाढीतोलिपटावै पहलैचुंवनकरै
अधरकाहै औरकांननमेनितंवनमे
र यदेनननमैनेत्रमिलायै वालषायैत
नचीअनीसीकारीकरैव्याकुलहोजाय
इतिश्री [illegible]
[illegible] वाहनसोपररंनलमा
गोवनकावै निरसईहोयकैसूजानके
ननमेतीवानघगाडे

चवहोतमसलै।तीजकेदिन
हैवसहोय।१।सात।छ।
गलकपापगरनवोरनमर्दनकरै:

रे।भगकुंगाढीमसलै।सितावहीसंच
हुवै।य।पारसि।पहल
गाटातरहसे।
रिवोरसौनयनसेविदारनकरै।
गकरै।
लघनसौनाडिमेचिहनकरे।कु

सोसीकारीकरै।अंगसे।
नीहवैवसहोय।४।मतिअनीवंद
अथहस्तनीवंडलो।
परिमर्दनकरै नाभिनीचेमर्दनकरै

हेनषनकीमारहै मगमैंलिंगसौंके
हू लनीइस्वैवसिहोय २ भांतिभांतिक
लिंगनसुंवनकरै वहोततीषेनषन
कुचमंडलविदारीकरै करुणानकरै
श्रौरमनकोमर्द्दनकरै
स्वाकोलझरतिनाहि महसके हैपूरन
वासीकौ श्रौरमावसकौ हस्तनाव
यहौ [illegible]
[illegible] २गानंनाम
कला ६ स्त्री ग्रस्त्रीन [illegible]
[illegible] कन्या गोरा २ बाला ३ तरुणी ४
ता ५ वृद्धा ६ येछहअवस्थाहोतहै

ल.

खारहवरसताईगौरीहै१२

क

४	२	१	५	पद्मनी
८	१२	१०	६	चित्रनी
११	७	३	१३	शंखिनी
३०	१५	१४	४	हस्तनी

र

वातहै

हे

हैवद्याकामकल.

हेसोतोअंधेरामैरतिकी

तरुनागहरेउजारेमरतिकीपासुराजी.

तौसोवाअंधेराउजाल.

हेओरवद्धासौरतिकरैतौकालरु

ना॥सूकोफलवूदात्रियाकंसार

णानसो प्रसन्नहोय॥ औार
सुरजीहोय॥ वद्याजापवजार्दके वचन
जीहोय॥ इति अवलक्षण॥ और
जोलुगाईके वरेसरीरकाहोय॥ औारजा
गाईलांवाघणीहोय॥ जाकीकांषऔोड
य॥ और जोकालाहोय॥ सो वहोतवार
टेहै॥ फेरिवाको असिथलहोजातहै॥ औ
रजोलुगाई भारीघणीहोय॥
य॥ छोटोअंगहोय॥ ऊंचीकांषहोय॥
लरीहीछूटेहै॥ फेरतयारहोयरतिको
जायथा॥ इतिरतिलक्षणं॥ अथप्रकृतिव
र्नं येकनोकफप्रकृतिकीहै॥ सोग

दुजीपितकप्रकृतिकीहै।सो
यप्रकृतिहै।सोअधमयोटीहै।क

संतहोय॥औरनेत्रनय।दो
कर्णहोयमानवलेतकरै॥भरतारमै
गाढीहोय।स्यामहोय।
रकोमलगुरगुरीभगहोय॥कफ
वारीअस्त्रीऐसीहोतहै।

कुचतिनितंबभारेहोय॥औरे
पडमनमैपसीनाकीवासहोय॥
होय।टीलीऔरतातीभगहोय।
चंतरहोय।अंगकोमलहोय।र
प्रकृति॥अथताकेलछन।

गहोय सुरतमे कठिन होय नगधर
होय ॥ इति ब्रह्मतिनि नारी ॥ अथ देसकुना
रकी अस्त्रीताके लछन मुष प्रसन रहे
परीरमै कवलकी सुगंधहोय संतोषहो
न पवीत्र रहे सब काममे चतुर होय
गवाले और वो होत घन और वहोत
गनि षहोय जाके सो देव सता कही है ॥ श
गंधर्व सु मात्ता ॥ गान विद्यामे चतुर रति
तुर सरीर सो भावान होय सुगंध पूलइन
मैं प्रीतिहोय रतिथोडी चाहे जदनणी सु
त्र लाज नहीं जाके दारु मांस चाहे मौरे
नारे कुच होय चंपा को फूल जैसो गोरी

होयातोसवहोतावारवारमेनोगचाहे
कोजक्षणीकहिये ३॥मनमसुनाव॥१
रांनचाहे

व्रततनमेपेक्षहीमाने सोमनषजा
पिसाचीघोटाचलणकीहोय
तीभोजनकरे

२॥सर्पणीसुवाव॥
लीमनमेहोय॥ओलिराषे॥वारवारउ

८॥कागलीसुभावे

तडरा
नृपवहोतलगे॥सोका

कू

हिकरै।चाहैउहावैहै

रही।कहिये।ये अस्थानक

हीमुषलगाइनकीपंकतिहोपहे

जापेताकोचतुरकहिये।ऐसाहि

[illegible]।अथ[illegible]

[illegible]को।जोसदा

घररहे।छिलांलिलुगाईनको

पतिजाकोदिहैसमैवहातरहे।

होय।इरषारापै।औरवहो

हे।पुरसवेषोटहोय।आप

चाहैजहांजाइ।औरश्रेमही

जाणीये॥ अथ अस

षहोय॥ कगेरहोय

वे तोवापुरसतेत्र स्त्रीउदासहोजाय

सो

थविरतोलक्ष

नहीं॥ बोलेउत्तरनहीदे

जायतवयसन्तरहे॥ सजोगमेद्र

ल्हिजारे॥

नजाणे॥ पेलनेकीचाकेरे॥

जेपानप्रीतितजीहैर॥ अथप्रीतिवरने

सोवहप्रीतिप्यार

गुणश्रौगणकोइविचारैनहीफे
ऊीपडजातहै तैसेमनवंधिजायसदा
सेपुरवलोसंसकारहै दुसरासमाप्री
होउनकेकुलस मानहोय धनस
नहोय गुण अथवारूपतव होउश्र
त्रीपुरसनैमनमिलै सो समा
है २ इतिचित्रसमाप्रीतिः
चाहतीवसदे अश्रामालाअंदन
नइनइवबाइनमेप्रीतिकरलै
यजाप्रीतिकहिये अभ्यासकोप्रीति
कोहींसिकरमेहोउमिलै

।ताहांअभ्यासकरतेकर॥

ग्रं।

॥अथअलीनकी॥१

॥योगणिहोतहे॥निहचोछहगु

गं।

मांहिवीचमेकेसरोहोय॥

काहूकानगगोलासाहोतहे॥

हूकानग

नरा॥औरकाहूकीघरहरीहोतहे॥

गेहै। वारवारतववह वीरजछोडैहै। औ
रजगकेउपरिनासिकाकेआकरहै। वा
सोकामदेवकोछत्रकहतहै।
रयवायो पहलैलिंगकौमलै। औरक
हतहै वहजोयश्चमकहालिंगकेसमान
सोवहनाडीनजीकआवै। चंद्रमाकोउ
रहोय। अस्त्रीकोवासमेरतिकरै।
वेगहाछूटतहै। ......
...... औरमा
ररहीहोय। औरकाहीतरहैसोहा
होय। वहहोतविरहवंतीहोय।

जुरहो या कांतिमान प्रसन्न होय

थनका अंगली चटका वे

नमूलदेषे और आदरसो हंसे

वैतवजा॥ कीरतिकी थाहहै॥ इति
श्री कोककला [illegible] विंदु [illegible] केपु [illegible]
[illegible] दरशानं [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ मध्यमदसप
थामोलिवस्त्रआभूषनलायरावै॥ प
त्ररहै॥ पवित्रतामेंमनरहोय॥ सुंदरसु
लहोय॥ कामदेवको
केस्थानदमेंरंगरहै॥ कपोलषंजन
रनषरानयेनहीचाहै॥ ऐसीमध्यदेस
कीपैदाऊईलुगाईहोतहै॥ २॥ अनारे
[illegible] ॥ उपभोगकीकलानमेंप्रीतिहो

रद्यातनसोराजीहोय।
कोनेरहे।आगेकहेगे।अे
होतहे।२ ॥८॥
कीसवनोरतेद्यातनसोरुचिहोय
न।

प्रसन्नहोय३॥आगारको॥अथल।
देग्रको॥लिपटवासो

मलरेहीहोय।
रेथप्रकरणटकदेसयथा।कोमल

लाघावहोतजाकेरतिमे

वेगक्र ।तीनखड१मध्य२मरू३।
खंड्वेगनकीवातनसौवीवहोतवार
ड्वैरतिकौजोकामतामैचतुरहो
य।अै सौवैसलदेसकोअस्त्रीहोतहै
ह्।अथपुपान्हलादै।ग्यामकराछेहैसवया।
मंदमंदहसन्नी सा सतीसराही
औरमोहनसोनटै निरलजहोय।
होय थेलवामैचतुरहोय। प्रीतिवहोत
राषे। अनेकभेषरवैविनोदमैरसीली
होतहै। महारावकीउपजी।
इबंगालादेसकी फूलसौकोमलसरी

तिथोरीराखै।
है।।चंचलनेत्रहोंयगौडवंगा
सीलेतहै।।उत्कलदेसकी
तिकीअभिलाषारहै

मदेवसौंव्याकुलरहै।
५कोवलदेसकी।

विलासचतुरप्रीतिवहोतराखै।
वासनी।।आपके ८
कहवामेप्रीतिजिनकी।
नवासनीलेतहो।२१।।हाजरातकी।
भोगमेप्रीतिजिनकी।।नेत्रसुंदर।
रतिसोंप्रीतिअंगोनेघारै।

नती नोहै सन मैहोतहै ॥ मीरस्तु
तिमांतिके उपभोगमकोर
कोरंगतामैचतुर फूलेकवलसे
तमसोप्यारवहोतहै ॥ कंम-
तप्रगटकरे कोमलगतिहोय
लंगकीप्रीयासंगमकरना
नरतारकोहृदयतामैचतुरहो
वानहोय ॥ उपभोगसोप्रीति-
चंडवेगलोय महरसरूपहो
पावतीनगरीमैतेलंगहै

वसिहोतहै
होत॥लाजथोडीनयनही॥कै
नोदेसनकी॥

गजोघेलनो

देलकी॥
कास्मीरकीसोकहतहै।
घहोय॥थोरहीसंजोगसों
औरखुंबनआलिंगनयु
ऐसी
१८॥अवकहतहैयामोतिअ

वै तैनञ
केहैय पूर्वकसैजासुवको
[illegible] धरग्रंथेञ
केहैसुभावकथनतेञ्र१८म
[illegible]
हलहै जोपुरवतैपहलेञ
है तेमोगवेफलजोह
महआनकेकामपुरस ञस्त्री
वायमतनकरे १ महले
जातिभुभावर के
भेद यञस्त्रानकीचंद्रकलाति
हरतेहुस्त्रीद्वैहैनही

हे।सोक हरत हे॥ अस्त्रीनकी जाति॥ ऐ.
सुभावनहीसमझेवेमे॥ आवेहेजा
क मिलायते। जैसे कोई
हे॥ औरवाही कोई अंगचित्रनी
नकोहे ऐसेही
र ऐसेही सत्वसुभावमीलेहे। देवमनु
ष्यपिसाच।
रंगयेलछनमीलरहेहे

स्त्रीतिनके मुषके लियेवहोतक॥ औ
षदतिनकी विधिसौ अस्त्रीनकोदवा
पवेकीविधिसौ अस्त्रीनकोदवायवे
कीविधिलिषीहे। १ सहत॥ कि
र॥ तीनो औषदपीसिनगनीतरहलगा
वे। पे रकामीनोगकैरती अस्त्री

गके तिरस्कार पांडु [illegible]

जो पहिला [illegible] कुष्ट [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रै। वलोतकषसध्यहूलु गाईवे
जलरीबूटे।ध। त्र्यथथं मन।

जूलूकीजड। गउकोहूध।

वे। वीजगिरेनती।
कौचूरण।
तो।जोलदानहीछूटे।

रौ।सह तमेपीसिनो निमेलेपकरे
नहोय३ सुनापारो वरावरक
सहत

मुव । [illegible]

कीजल्लेपुष्पाकेमें कंनाको

तकोडेराकरे वाडेरामेंजर

मरिकेवाधेथंलननहोय ३ सपे

केवीजखंडकेहृथमेंपीसे

वीज खंडनइनलायतो

धा [illegible]

वलननहीहोयतो येकहैसो

सन्नफूठेहोतहे तातेवाजेवय

श्रोषदकहतहे विदारीकं

ताहिकेरसमेंभिजोवे सूरज

मेसुखावे सहतघतसोपाय

है।रसअस्त्रीभोगै।१।ग्राव
हिकेरसमैमिजोवैद्यत
त्रिक समैसहतसोवाटे।वृछहूतरु
नाईमे
स्नकोचूरणहूथमे . ५.

वैद्यलमिश्रामिलायफकावै॥
होय।सोलुगाईमोमेत्तु ६
जालेकुलचेतुकर्षमा
रात्रिकेसमैहटहोय।२
मानले।दूसगुणे
पुत्रहोय
पतलोलिंगहोयतो अस्त्री
य।तातेअस्त्रीकीपस

पा१ ससीला कूट घोपट
कणचूर्ण तिलतैलइनकोलेपकरै
विटै सैंधोलुणमिरचकूट करेरीघर
ंजरीअसगंधजवमाषा पीपलस्वेत
ारसौतिलको तेलमैपासिसहतसोउ
तनोकरै करणपालीकेलगावेलिंग
ेध मिलवा कूटलवणकवलकी
ंघरी इनकोजलावे सोनस्मलेक
रीकेफूलतिनकोरसलै सकोगो
रइनकोघसिलिंगलेपकरै ताही
णमुसली कारटहोय लोइके
नागवला तिलकेतेलमैघर

लिगवैया
चनपोटात्रत्रीहोय॥

संकोचनकोजतन।

ग
नहोय॥१हरत्ताहोनृदेवद्यारक
केसरो॥नगवै
तहोग्रप
लगावै॥न
गहोयाउत्रिफलाआवलाके
एकीछालि।समानलेसह
लेपकरैवूटीर्व
धक

फूलसरसोंकोतेलथोड़ाअगन
तामैकरैसुगंधहोय२देवहारति
सेदाडिमअंजनकांचनतेलमै
सोतेलमसलैनगमें[redacted]सु।
लोगलासनकड़वातेलमैसिंदूर
सातदिनघामेमधरैकताको
करैनगकेबालआतेरहै१सं
केलाकोजलहरतालसेलक
वैघोनिकेबालजाय२हर
सम्मकेलाकोजललेपकरैरो
[illegible]जोतिघ्नाके

पुष्पजलमैपीसपीवैस्त्रीगर्भयोपुष्प
१

हरडा२

समानसहतसौचाटैदिन।७।
।सोतिहोयपुनरुये
इनकीनस्मसहत
अंतमै।
गकेसरीकोचूरण
पावैदिन३दूधनदूणकरै
कोसंजोगकरै।
वेरुयणकटेरी।पीपलीके
चूरणगायकेघृतमैपावै

सूरकैमलहुयमेपक्षा थोत
[illegible] मेलाे ३ गनेथीर
कलाम्बैक छकैलगीमांट
[illegible] बेलाकाहुयनै पीबे ग
[illegible] पकीसाकरक्षाबूलाइलै
थूसा ग वहिन ७ गनकंनेस
[illegible] नेपताबै लाविकवल
हेयहूल सहस्तपकाय सीत
यहिता ७ [illegible] कीसारलरे
गनेक्षावांतक्षूलमाफा
रवा तसेनमातहे यांमे
[illegible] खिसी

यांकोचूरणसहतघृतमैमि
तानिसुषसोहोयजलस्रीहोयर॥तिवार

घिकअस्त्रीकेमरिकेबांधे॥अथवासि
रमैसंतानसुषसोंहोय२
मथवाहिवालसो
हो।
णीकोप्यावैवकाजलस्रीहोयसुषसो
होय३॥अथनीजकारनगुजराणो॥ति
वरस्योपलमात्रनितप्रतिदिन१५पायजव
ताईजावैतवताईगर्भनरहै१॥अगनि
वस्तताकोक्वाथमाघुप्यका्अंतमैदिन
तानपावैवांझहोयर२॥केरवफलदिन
३पावैतातेजलसौवांझहोइ३॥तोतेव
हेसानूरुहकावीजपईसामेरटकामर

इ ० मजापकलवाकूरं । सं...

गरतलुनगांवलवेरै लश्राकोदं

लावीमलमांमसः हर्षे. लपलेपल

श्रालवेट निकूरडलपूजाय ३ श्रा

पूला फलाक्ष्मैनवललकीशालि

डारकर वांवल करलि वेकेत

मयलस्वेलीलीलीतलमेगामाहेय

समाहल जगोनिहेस्प्रमामे

६ मांजूफलपापलिहीलीसे वये

रेलावं स्यामलतीं सहेय

वकीलहस्वाम्ययेकसरापील

स्वाकलते कालावाला स्व ६ वों

ल०

लेपकरै॥बालस्यालहोयसुपेदसो१॥अ
षकेरासुपेदकर॥
सुहीकेदुधसोमेपीसेतिनकोबालनकै
लेपकरै॥सुपेदहोय॥२॥वजीकोदुधल
मेआवलापीसेतिनकोलेपकरैपाछे
न्हावै॥बालआयतेआपजालिरहे॥३॥
मुषकंटक॥२॥वचसाल्वरधणियांरन
कोलेपकरै॥मुषपेजोवनतेउपजी॥मुष
पेगुमडाजायदिन३॥मेत्रआपुरसनक
॥लोदसाधनसिरसोंइनकोलेपकरे
मुषपैकीलजाय॥२॥छोतलीनहरदं॥
तेलतिलसिरसोंदुधमेपीसेदिन७॥
झायाजायचादसामुषहोय॥४॥गेरुसो
पषाचोलाईअ[illegible]॥५॥जलमे॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

स्त्री॥ तहां प्रथम तिलक लिषे है॥ तिन तिल
कन कौ देषि स्त्री वस होय॥ तिलक वि

कौ पीसे आप के वीज मैं॥ ता कौ तिलक क
रे॥ ता तील क कौ देषत है तीनु लोक वसि है
वा॥ वाल्या प नामु निनै यह जोग कह्यो है॥ व
होत उत्तम है॥ १ सुपेद आक की जड मजी
व वमो थावू दस्त्र स्त्री की भग को रुधिर र
ज स्वला ह्नन कौ लेपये कत्र करि तिलक ल
ना टमैल गावे जौ देषै जो वस होय॥ २ तमर
पीपल मूल मा टा सीगी पीपलि य॥ आप दि
वरा वर ले॥ आप ने अंग कौ मल सव सहत
मैं मिलाय मंगल वार॥ कौ तिलक करे॥ व
से करण होय॥ पुरस कौ वसि करण गोरे
चन लेय स्त्री आप कौ पुष्प कौ रुधिर ली

…के मानमात्त्व
कीमेवस्यंकुरुस्वाहा अघोतर
जपेनसिद्धि अथलेपजोकामीपुर
षकेअंतमेवायेहाथमेलै अस्त्री
चायाचकातलवाकेलेपसा अस्त्री
होय रतिकेअंतमेपुरसकोलिं
गीवायेपाऽसेंासपरसकैरजवल
… अस्त्रीदासीरहै २ कपो
…मधुक…आनलेपीसके
लेपकाछे…गकरे अस्त्रीवसिहो
कपूरसनालूसहतमेपीसलिंग
…याछे…गकरे अस्त्री…

नागधूप॥चंदनमंगायेकगा‌ध. रप
नचवूटयेमिलाये।इनकीधूपदेहकौं
थावस्तारनमेमुषकौधूपदेतापुरस
कौअथवाअस्त्रीकौदेविकेमोहतो
य।राजाप्रजापसुपंछीदेषवमात्रसौं
वस्यहोय॥मंत्र॥ॐविल्लुवेपरमातम
नम:सर्वेजनमोहतंकुरु२स्वाहा।अ
नस्मातंजपेतसिद्धि॥१०८॥यहदत्तात्रे
तंत्रमंत्रहै॥ अथकामेस्वरमंत्रॐका
वारीअमुकीमेवयेसमायानयत्नीय
कामदेवमंत्रयासोंकहेभकोफूल।
थवायत्नासकौपुष्पमंत्रदेअस्त्रीव
होय॥१॥पहलेदसहजारमंत्रजपकै
रऋआऊतिदेतवमंत्रसिद्धिहोय॥चौ
मंत्र।ॐनमुद्रअमुकीमोहयवसता

पे . ॥ अथ स्त्री वसीकरण ॥
मस्त्वरा मोहय स्वाहा या मंत्र नाग
मैलि पै दीतवार को सो वार मंत्र दे
नी वस्य होय २ ॥ अथ स्त्री वसि
करणं ॥ ॐ लं लं हिं हंगम २ कामस्व
नम स्वाहा ॥ या मंत्र सो जायफल क
ऊं बार २ समैं जिमावै कुटि कै या
पीसै चोडामै घसि ल्यावै स्त्रीवसि
स्य प्रस्त्री वसीकरण ॐ नमो
ऊं २ यह मंत्र सिद्ध है या मंत्र सो त
फूल श्रीफल तै सर्व नाव स्य होय ॥
॥ स्त्री वसिकरण ॐ कामदे

वापस्वाहा क पोतकीपांच पासीसहतमे
ताहि याभंत्रसौमंत्रहस्त
य मुनीस्वरनैनेयहग्रंथ तमभंत्रकियो
है॥१०॥इतिश्रीकोककलाग्रंथवसि
करणतंत्रमंत्रवरणनेनामदसमोकल
१०॥अथ अंगरागवरणनं॥अस्त्रीकेअं
गनमेंवासयोटीहोय तोपुरसप्रसनन
हीहोय॥सुपनहीतातैकामीकोप्रसन्न
ताकेवास्ते॥अंगरागकहतहैं॥चंदन
सुपेरघसमोथा लोद अंमकीछालि
येकत्रकरिसीलेपकरे॥सरीरकीदुर
गध२हरहै नीबूफलोदडाडोंसपूप
त्रदोनुकोचकल पासिलेपकरेदुरगं
धजाय॥बिंदूरीकरंजाचेबीजहरहै
बालकजड॥

पकरै प सिनाकीडुरगंधजाय

ऊपानकोडलकवललोद्रऋना

स्कलगरमीमेसरकेलेपकरेप

नहाहोय य सिरसकाफूलकेस

र सरारकोलेपकरैपसानान

य ऋावेगरमलगैनहीप ऋा

[illegible] लपत्रअगरआस

काफूलकेतकीकाफूल येत्रोषर

[illegible]र लाकजामेधरेपाछे फूलका

[illegible]र तेललगावे सुगंधकेसनमेत्रं

[illegible] षसमोथानषमासीकपूरपत्र

[illegible]पा ली अ स्त्री सिरको नालनमेलगा

वेपछे।
य।

रे।सुगंधप्यारीहै।१।
लोह
पकरै।सुगंधसरीरमैवहोतहोपा।
वोतमसुगंध।
लाजित।चंदनक
समेरावत्रकरिलेपलगावे।सरी।मे।
जाजागपहोतहै।
वोगुणी।

कीसुगंधकीस्तुराकपूर।२।

करै तांबूलमैधरामुषमैराषै सु
प १ केसरकोथोलेपत्रमैलपुष्प
गोलीकरमुषमैधरै सुगंधहोय
कोकेसरो कूटकपूरपानमैध
मैराषैसुगंधहोय २ कांबोजत्र
बूलमैपातसमैनितराषमुषमै
होय ५ सोंवामुंजात्रह्मीवचपी
त्ररावरलेदिन ७ पावैसहत सो
दुरगंदजाय सुगंधहोय तजप
लीपानइलाइची नागरपान
मुषमैचावैसुगंधहोय ६
मीवाते

लसे॰गिसरंकेंडेनकी॥आंवसोतेकरैपो
निमैलगावैवासजाव॥१॥कांषनकीवा
स॥तूंतकीछांलिचनारकीछालरनार

कपूरटंक॥१येक तैलालचंदनटंक॥४
नईचिरोजीटंक॥४॥सबपेकवीपीसिमू
रनकरै।तैलमैजाखिवरनो॥करनिम
रलसूपहोय कवलसोमुषहो॥१॥ज
वकोचूरनहलदीगोमूत्रघृतसरसोंपे
कत्रकरिमर्दनकरै।मषहाजपावकोम

गवलीनेना
वेवाहलैउपदेसकामदेवकीक
ामैजोग्पहोय सोकंन्याप्रथमदे
ववाहिये सोसास्त्रकीविधिते
मलोगनकहिहे आपणीसमा
लहोय धनधान्यसमानहोय
घरकीवेटीहोय जिनकौना
तहोय विद्यावानहोयपराक्र
जवानहोय रूपवानघरहोय
घरमैचलतेहोय ताघरकी
औरकहतहे जाकेभाईहोय
ापलैनेमरिमैछोटीहोय आपके

रिषगोतनहीमिलै॥ ऐसीहोयताहि
चाहिये॥ यालोकपरलोकमैसुषहोत
है॥ ऐसी अस्त्रीसौंसुषनहीहोतहै॥ औ
रकहतेहै॥ ऐसीकुलकीहोय॥ सरीर
केचिहनपोस्होयतोहूनचाहियेचि
हनकहतहै॥ [illegible] ॥ प्रथम
निरलजहोय॥ दरवाजेसनमुषवैठे॥ घ
रमैरहैनैहैंनहीपुरसनसौंचाहै॥ जासौं
वतलावेसोछिनालिहोय॥ औरकूर
सुभावहोय॥ बोलकडवोबोलैरोसन
होतहोय॥ बोलतामसजामैहोय॥ येअ
स्त्रीनमैअपलछनहै॥ वहकाहूकेअछ
लगैनही॥ वातैनरतारवीदुषीहोय॥ रज
कैनेत्रपीलारंगहोय॥ सोकाहूकूप्यारील
गैनहीलागछिनालिहोय॥ रंडहोय॥ उपी

:वाही वसो तहा होय ग्रोरकाल
हा होय ग्रोरज्वरवहोतही हो
के कोई वडो रोग होय ये ग्रस्त्री
येनही इनसों प्रीति वान करिये
कछू सो मानही है जाके होत ल
सो ग्रस्त्री वाहि येनही ग्रोरज
या नारी होय पर्ड वा होय सो [illegible] ग्र
ाह्लड्गा होय ध वहोत नोजन
ग्रोरहा होय सात घरन मे जायत
होय निंदा ग्रोरसदा सोक सा
रहे ग्रोर ई चासुर सों वोलेये ल
नह लगा इनमे होय सो काम की

नहीहोयजोदसपुत्रथोजणै।तोहूसा
गचालायकहै।इनतैंपुरसकोंउथनही
गेतहै।औरजाकेहोठकालेहोय।दांत
कालेहोय।तथादवडेहोय।लंवेसोअ
छीरंगाहोय।तथदलछणीहोय।८।औ
रस्त्रीकुचालहोयसोअछीनही।औ
।जाकेकुचयेकछोटोयेकवडोअैसे
होयसोलुगाईसोभानहीपावैहै।जोके
कुचनपेवालहोयसोरंडीहोय।कुच
तिलअछोनही।औरछोटोहोयतो
छदालजलीहोय।जाकेकांनछ[illegible]
यसोदरद्रणीहोय।जोराजाकेआया
तोहूऔरजाकेहाथरूपेहोय।हथे
लीकणीनरमनहोय
गहहैलीहोय।सोअछीनहीकले

थवा कालीजीवतोय मारा
नालीजाणिये वातेसुवनतीपा
रजाकी वोड़ापेमुछकीजगा वा
ग जगटदीषेवहै चस्त्रीषोटा
वाकैभरतारकोंसुषनहीजाके
होतच्चावे सदाउवावाकैर सोघ
रहै तहांस्लइकरै जाकेवल
लीकंपे पावधरैतहां स्वरहोय
छीनहाछिदालहोय हसवामेवो
गरदफूलेसोच्चछीनहीवाकों
लापमानरहै च्चौरवहोतचंच
य सोछिसंलहोयहै च्चौरकहतहै

केपगको अंगुठोछोहोय।पासकीअं
ीवडीहोयासोपतिकोमछनकरैाथे
ीदिनमे अथवा अनामीकाचटली
गलीकेपासुकीसोवडीहोय।विचली
ाकोपतिविवाहपाछेदेतीनवरस
।पाछेरांहोप।औरजाकेपावकीछो
अंगलीचलतमेधरतीहोनलीगे
ै तीकेनरतारनजीवे दुसरोऔर
करेतीकरेहे।ताकेपासिकी औ
अनामिकासोछोटीहोय।चटरी
कलेसराषै।औरसोहाठेचारहै
तधरतीमेनलगै।सोवेपुरसमारै
ैकोघरवसावै।औरकहतहै।प
अंगुठापासकी अंगुली अगूठासो
ोय।सोकचारी।मारकरै।ेवनमे

चारणीहोय॥ औरकहतहै॥जा
हजुडीहोय॥ अथवाकेडीवाल
सोअस्थीघोटीमुनपकोहोतहै॥
आपलोमेद्दइजेनही॥ औरजा
नतपेपडे॥ पडेहसतेबोलतेता
ताजीपितानही॥ औरजाकेअंग
होय॥ सोचाहियेनही॥ औरजा
डुरानेपेवालहोय॥ अथवाउ
वालहोय॥ सोविनाचारणाहो
सतसैरामांडेनलीनकैसोअ
डीनही॥ औरकहतहै॥ जाकी
नभेजीहीरहीहोय॥ लिलारउ

कमरिसोस्नतीननकोमारैसमरदे
यतिकोस्नकोलिलास्यारघहोयते
सरमरैउरस्यारघहोय।तोरेवरको
रै॥कमरातारघहोयतोपतिकोमा
॥जाकीनानीत्रोजीनहोयसोसदा
ग्वारहै।दलइसोजाके।नौरीहोयसो
सरपणीहोय।सोरंजाहोय।जाकीको
गलीसीजांघहोय।वराहकासारमहो
यताकोपतिदुखसदाभोगै॥श्रोरजाके
श्रंगमैछछंदरीवासहोयश्रनकीश्र
घवानामकीताहिव्याहियेनहीं।जाके
मरतारनजीवै।उसकीगंधगो।मूत्रकी
रुधिरकीयेवाश्रहोनहीं।श्रोरजाश्र
स्त्रीकीनगकोछवाकी[illegible]
स्लोय।[illegible]चीक[illegible]होय।२[illegible]

ओरकगाल्हाय [illegible]

चानाकलौ औ[illegible]कैलै

अझैलाई जाकोमगको सिरछ[illegible]

रहे सानन्कगोहोय ओरजाको

गलाहेरणीचोर त्रै चोहोयलोपुनः

य पुलै ओरवहोलेहु बाहे[illegible]

उहोहोयला[illegible] होय होवछलेको

लिको[illegible] सोगेहोयलोप्हहै

[illegible] लोफोमहोन[illegible] होहोद

कोपुगोहोय बुहोल छोदहोब [illegible]

सोहोय [illegible] छोहोयनेरेसके[illegible]

हुवछल[illegible] होय लोकोखर[illegible]

कोफूलत्रैसोवरणदेहीकौंरंगहोय॥
कांतिहोइ सोत्रस्त्रीउत्तमहै।जाकेके
ससिरकेस्यामहोय।वानीलहोय
मासेमुषहोयम्रगकेसेनेत्रहोय।तिल
कोफूलत्रैसीनासिकाहोय॥दांतनकी
पंगतिऋछिहोय।औरश्रोणीनीतवत्र
छेहोय।कोयलकोकंठहोयसोउत्तमहै
जाकेपावतलवालालहोय।तिनमेच
क्रकोचिह्ननहोय।त्रयवाकवलधुजा
राणीहोय॥जाकेपावमेरयाहोय।लंजन
केनीचे।सोपतिव्रताहोय
पत्नराहोय।भोजनथोडोकरे।दांतछो
टेहोय।जांघेसाकारीहोय।थोडीसो

ोय धनवानहोय गुणीहोय विख्य
महोय सुंदरसरूपहोय अवस्थ
ानहोय१ औरवडेकुलकोहोय
पणोघरममे रहेमांगिवाणोजाको
रहोय दयाहोयलोकडरेकुस्व
पिरवुद्धहोय पापानहोयवल
होय ताकोकंन्यादेदीजेपण
होय कोटोवेसनहोय दयानहोज
रोगीवडोपापहोजडोवष अछेकुल
होय अतिहीलोभीहोय अतिदु
होय कृपनहोय चंचलहोयवु
ताकीजाकेसदापरदेसरहेवेकी

रूकारहै। भीषारीलोय।
कूववहात बोलै। येषोटेल्लछनहै॥
कौन कलाधर पृथ अत्रीहू
नंना मुहृद समीरा। श्या। अथ और
अस्त्री सुभाग लारे ला बोरो सब कहलाहै
प्रथम आरवलचढै और
ससारमेहांसीहोय।
होया नीचो होजातहै गति मुक्ति निनही
यलोक परलोक दोऊ लोकनमे दुयहे
मावातनहीं। परंन कारणवासते पराई अ
स्त्री सुभोग करिये नोवनही यह दोऊ
लोगन कौमतहै सो कारण कहतहै पर
अस्त्रीगमन जैसे वियोग सिंगारमें दस
दस गाइन कोहोतहै पति के वियोग
मे सो वे कामदेव के जोर सौ होतहै। तिन

जे सोयाही भांति अस्त्रीनमीलन
कोमरणहोय तातेपर अस्त्रीन
नकरिये पापनही जागोतमेकथा
रवारा भा अस्त्रीकेसोकतेंह
। औरहू अनेकसो अस्त्रीकोवि
मरै ताकोगतिनही पातेपर अ
मनवसहै जो आपकेसमीपत्र
होयतो अथवा अस्त्रीडवतीज्वा
य पुरसको जोहै औरपुरसनमि
कोविसहोतहै औरअस्त्रीकोर
छावकरिके आवै आपकुछ
सोरतिवकरिये सोमहापातीनामे

होसननहीहै।

है।औरभांतिपरअस्त्रीगमनकरै

गिरायोहै।।

धनाधजीनैताही।पापस्रानी।

जलायोहै।।तार्हं

गायातैपरस्त्रीबचनि

दलैपरअस्त्रागमनकोमनहू

पायहै

कवारीकैमानैरागणि।।

जव भ्रमन्नैवती पापली ओर जाके
गीलांहोय सोसद्मत्यागीहै
जोपुरसपरनारीव
रनवीहै सोमध्यमउत्तम वस्त्रावे
गहणाआभूषनरावे अंगमे सुगं
गावे वाल सुंदर सुगंध जिनमे अ
रवंडपानके वीउ सोमुषलाल्र
और सब अंगउजलेरहे चतारई
तकहे याभांतिहै ताकामनास
भिभ्रांतिहोय अथउपावजो अर
तैतेजाय आपउततैसन्मुष आ
कछू कञ्ज स्त्रीकेनैनमेनेत्रमीर

स्त्रीनिकदेषतवञ्त्रापवश्चुराजाय।
सैयकरोवारकरै पे। रिनैनकै
जापैकबूकतैनतौ।
जानियै। यहप्रीतिकरैगं
प्रीतिकरियै। [illegible]त्रवकहतहै
जाकोजैसमंत्रीसलरचहिये

होय।
[illegible] रासी। घोवसीन्दरगरि।
[illegible] परवनि वालक परीमनि
घवाजोन्नवनमेंवसकरै।
पदेसकरै।
होनकेप्रीतिकरायदे। यातैहोत

परवीण ओरजाकोमर
य थूलहोयकठोर वाको वूढे
औसेनको अरुहोय चंचल
ऊहोय मानतीहोय
सतरीथोरहीसतनसोमिले अ
नुरागवर्णनं नेत्रनिरलज्जक
हसतकुच नाभियेरिपावे
हीपावे छिनमेंढकिलेय
केअंगनसोंधरताबोहै
कीसापरीरहजाय वरनके
सुधाविछपारेदेहातोडे हौ
मैनमीलावे ओरसुरसकोद

मंदहसतीजुरैवातकरै॥

चाहतहै

वे॥रतिकीवातवूछयाकहै

नवकोश्रापकेहाथपकडैमसलै॥

कुचनेश्रांगलीचटकावेजो

याकोवाघमेनर॥श्रोरपुरसके॥

तीकेघरजाय॥मित्रकोदेषितेमुषपेप

सानाश्रावेजरुकिझांकेदेषिदेषिमु॥

श्रनुरागवतीकेहै

कोहूतीनजी॥कामकलानमेचतुरहो

यनरसहजमेवलहय॥श्रथदेसाधर्म

ईरथाद्व ...

चकुणौरै कैनलुरुरतीहि:
आकैश्वपौरैय परांझ्याहमी
लात्वा पंथिरल:पौयु निलौमहीध
नौहैयाहा न्यायौनलीहिक्कीक
ःजनलनि हिवौहि

श्रुतिने

गुणिनिनी रेनिनी झूनई
नानामेंहर गौ मेत्रौरालौं
मुहेस्सानैमै स्लनीवौरक
कफिलिली औरसं निलैकौ
नामहीमाम सौस्रौ:नहौल

घमरात्रिसस्त्हदिवसरोउसं

आपकौमवंनहोय

गहरोतलाश्रस्त्रासुमोगनीसं

करै.जैसेश्रमिलाषाहोयतैसो

उज्ज

जेजांलोंगद

९३ २४

पुलोगकर ने अथ्यमुद्धिवानको
स्ह्सोसउपनोगकोरे वाहर
निमौवन पुलोगकोर वाहरकोर
नावहथमोग पांचमरहकोहे य
लोपोहरनग लिपतायवोहसरो
स्सनाकष्ठ कोविबोनसानस्ह
केसमाहन मेपाक्नातकोने
तिहि इनागोनोनकोनरिपाछिरन
रिखे यहसनकोवको तहोपहल
रनउर प्रोसोखावनरहको है।

जघनः५ विद्कान्ता५ त्तरुपगूढ़ा
नीतः८ ये त्र्याम्नामहै
-ल्लोघ्र८-

रिराषै। कुचनपैमरतारसुंगंधल्लगावै
वक्र रिष्प्रस्त्रीवाधपनैरे। मुषचुवैनकरे।
यहवत्ताधिरूढपरिरंमणहै।
नसोत्र्यापसमेवाथमैरछौतीसौंछाती
लगायाल्लैचलैनहै
रिरंमणहै।

रोकऊत्रस्त्रीपुरसललाटनेस्फपोलमु
षल्लौनाहमिलावैवहोतप्रीतिसोंचु

ाविस्त्रहूरकरि▪कैकेसछूटिरहै
भुवनकरै पापरंगमणकौजघन
है धपतिसेजपेलवैनेत्रसूदिकै पा
स्त्रीभुवलगावै सोमरतारति
बंधनकौपकडीमरदैनकरै सोविद्व
मपरिरमणहै ५ प्रथमस्त्रस्वामि
जल्लगावै जवअघीरहोयतव
जांघनसौश्रापीडनकरै भरतार
पग्रकहते ६ श्रौरकहतहै
कमेअघवासेजपेपतिकेसाम्ह
स्त्रीकेरछातीसोलिपटे पति
गाटगहे सोऊभुजानसौसवअप

रसपरस्पैऊनकैमिलैयहक्षीरनीर।परि
रंभणहै७॥अथस्त्रीपतिकौलिपटैपति
सूधोवैठोरहै।जैसेवेलिवृक्षसौलिपट
है।याभांतिपाछैपतिप्रीतिसौंकपोल॥
अ८चुंबनकैरा।तीमैंदमैरसीकारानैरैय
हवक्लरावेषतहैं।पहलयेआठभांतिके
परिरंभणकरि।पाछेचुंबनकरै८॥अथ
चुंबनभेद॥अधरनामहोठनेत्रदोऊक
पोललिलाटमुषकुचमूलसीसइनठौर
चुंबनकरैहै।पंडितजोकामसास्त्रमै
प्रवीनहै।तिननेपरिरंभणकैपाछै।औ
रदोऊकामसमयमैंहिर।नाभिमूलका
रमैंचंचलाचेतजाको।सोकामचुंबे
नकरै।जथाजोग्य।औरठौरचुंबननत
रहकौवनसहै।अस्त्रीचुंबननेत्रप्रस

औरसोसो सुक्तन्वा . . .
सोमुखब्रह्मकेमुखतेहिमिलनामसो
कहतहै ४ औरकहतहै नाराव
सुखसोसुक्त लगायफेरहोवनु है
है ५ नरनाराकोअयरातमत
बखरै . . . रहनामबकहै
नरनारतो . . . केहाथसोओर
. . . वोईपकरै पीछातोफिरहोव
तनकहै . . . औलोकेनेनदोनों
हैं नाहिनपैगाहुंदनकहै
उपरहिकेसमयकामदेवके
सोऐब्रह्माबिनतीय कैनारीम
रकोमुखद्वैतन के बारबोर

सोप्यारीवाणीवोलै।ताचुंवनकरतिगत
रोषचुंवनकहतहै।७।भरतारकेहोठला
थनकोआगलीतानकेसंसपरमेलेप
अस्त्रीआपकेहोठनतेचुंवनकरैकह
तहै।५।औरकहतहैपहलभरतारप्या
रीकेमुषकोआपके।आठनसोपकरैचू
वनकरै।पाछेतैहैसही।अस्त्रीभरतार
कोमुषचूमै।सोसंपटनामचुंवनहै।को
ककलामचतुरहै।६।अस्त्रीसोवतहैनी
दमेयेकांतसताभरयातिसोमुसचुंवन
करै।तवचेतनहोयतिहिंप्रीतिजोयन
मचुंवनतहै।७।अथरहोठतेउनटिर
केकामनीजोहै।सोपतिकेहोठचूमैजी
नकरिकेचूमै।कछुकरतेलगावाचूमै
नतकरैसोचुंवनचिसमोवनामहै।८।

य। नवीनरतिमैविरसनाहोय तव
देसजायतवद्वानासमैविरतमै।
स्त्रीकोमरहोयतवविरतमै स्त्री
मरहोयतवविरतिवैराग स्त्री
होयसोपहलेसातवी७कलामैलप
नलिपोहै। सोहेषिलेसे इतनीस
नैमैतघेहेणालुगाइकौ। सोनवकह
है। ऐसेसेवजिनमैरषानहोय जिन
लनहोय उजलेहाेय वीकलेहो
हरयोलरगकेफटेऐसेनहालोय
होय कामसास्त्रमैऐसेनय
हियेइनगोरनकेदेवपोलकु अ

रोवनपै परगट चिह्न नहोय। ऐसेहै पतिते रोमप्रजेहोय। अस्त्रीके औरकैं तमेसंपूर्ण नषदेय ताहिछुरित नषदान कहत है॥२॥ ग्रीवाके विषे। कुचनपै मुषमें नषदे पतिन कौ अर्द्धचंद्र कहत है॥३॥ औरमुषपै नष देय ताहि मंडलकहत है॥४॥ होय आंगुल६ केनषदेय वाती नआगलीके नषदेयवात न। आगलीके नषतिनको ग्रहीस्करे॥ म स्तगमें जांघनपै गुह्यदेसमें कुचनपै अथ वा कुचपै आपूर्वाको नषदेय सोमपूरया द कहीये॥५॥ पांचूं नषकु वैगडे सोलल तसंगपाहे॥६॥ तानरेष होय पावमें कुचपै गुह्यस्थानमें सो अथवा कमलका पाव डी ऐसो चिह्न नहोय सो अनर्थमनामन प्रहानहै॥७॥ अमैनष अस्त्रीके सरीरमें दे

जांहंआतांनषद्यानकहै ताहां
नहेयकोर्वे औषनेत्रस्न

मे अस्त्रीकोवावतहै तासमेतुगा
हावायसीसकारीमेरेतहां अतिसुव
हे १ दांतअसेहोय रंगसि
कैसेवहोतहोय समानवरोवरहोय
रडाहोय छोटेछोटेहोय
होय असेदांतश्रेष्ठकहेहै औरछोडे
डेमनमान कवाहरनिकसेमलीनये
दतहे इनतेलगाईनराजाहोय २

हेोगनमेंदेतलगावै जासोचिह्नमात्रही
होय सोगूटनामहै शक्कपोलनिषेधगोक
मे ताहिचिनयकहतहै पंडित २ औग
नकोविसेषनासनहोतकावेनकद्यो
कछूललारहोयरेषाचिह्नत्र स्त्रीपुरस
दोउकरे ३ ललाटमेदोउदांतकोचिह्
नकरै सोविंदुमालाकहावै कपोलन
मेछातीमेगुरीमेपेटपैदांतनकेचिह्नजे
तेरकेचिह्नहोतहे मंडलकेआको
रगोलअस्त्राकेअंगनमेवहोतमोनादेत
है निरंतर औरतीषेदांतनकीपंगतिया
केसरीरमेनरतास्करै रोसकरितिन
केचिह्नधाव सभैपैसमरतकरावेहर
लेकोउनकोअस्परसदोषनो औसेरां
सगहरेगजावैसवअंगनपैपहलकरे

तेप्रांछे लिनवालवजी
तिसौजुगतिकरमह्धीरापक
लीवार१ वालनकुपकडि
सीचयाले तुवनकरे मुमक पोलसो
महस्तक कहिये २ जोयकहाथसों
डिपीचीफिरिंतुवनकरै ताहितरंग
कहिये रहाथकेवाललयेटीमहनमे
आनतहिय केयारीकोसजपेहरे को
ककलामेचतुर ताहिमुजंगवलीक
हे ३ तासमेकामदेवप्रगटहोयहै
औरमहतहिकेसपीचवातेतलावजा
तेसोंदोउवनआयसौंकरेसुजान

कोआपसमुपकडिलेया।नांतिकेसगए
कर्यौहै।४।यानांतिवाहरलीरतिकेवेभेद
कहेहैं औरम्नेरववरोतहै।सोग्रंथकेवद्
ताकेनयतैनकहेहै विलासपुरसनकोत्र
पहीतेजानेपरतहै।४।इतिश्रीकोकोल
धरग्रंथेवाह्यरतिपररंमणचुंबनरए
नोनामचतुर्देशीमकला१४।अथसत
गरवकतनं। अवकहतेहैंजैसेआपमैव
नवुद्दिहोतैसोकामीपुरसपहलेउपरंर
तेकरे।अस्त्रीकोअंगसिथलहोयजाय
नलायाहै अपनीअस्त्रीसोंमोगकरे।
कामदेवकोष्यालनाकारंगमैर जोत्र
स्त्रीदृष्टहेया।तोहूसिथलहोजातहैतो
नकेयसारयेते औरसिथलहूयपाच
मेटेसादृष्टहेया।पेलवाकेवषतअ

पपुरस्वायेतइतिनके
अथउतानकअस्त्रीसुधीसोवे
उपावमरतारकमरियलेय
तुगहेपाछेभोगकैरतिकौवहे
बातकरहेहैसमपारमभया
नकोकहेहैसोसंभोगमेचतुरहो
माषामेयाहिमदनाहितकहतेहै
स्त्रीसूधीसोवेताके
पेढ़ोऊसाथपकेऽ
रिपाछे भोगकरै सोअमरनामआ
नहेअौरकहतेहैयहीमातितुगाइ
सोवेतहांभरतारवैठिकेंस्त्रीकोमे

वतोधरतीमैरापैहूसरारपावऊचावै
नरस्त्रापकेसैठहातनसोआपनेमा
धरतीमेलुगाईकोराषिनागवैरे
गातित्रिविक्रमआसनहोतहेश्री
रतहे नाहानातिलुगाईसूधीसोवैपे
थनसोलुगाईहीआपकीजांघके
पावऊचेकरलेतापाछेनागकेसाम
विकुवपक्डिलैऊहाथनसोयामा
केलकैरसोयहेआसनवोमपदहै
औरस्त्रीकीजांघदेऊहाथनसोले
धरतीमेसोसेजपेसूधीसुवा मैगन
हकामचक्रनामआसनहे५जब
लुगाईसुधीसोवैदोउपावपुरसकीछ
सोलगावै नरतारताराआलिंगन
रिकेलिवैसोमनामआसनहे५

ति आनंद करै है जेमतनामयाको
नीर स्त्री की जांघ देऊ भस्त्री कौ छा
पि करै कंधा देहे एक सूंवनांवे का
मेंभा के लैहै या भांति सु भोगि करै
बिबहु आसन है ९ पुरस लुगाई की
कुजांघ माही छै कंध्या पाथै दूसरी
प्रियरै धरती में राषि वड़े जोर सों भो
करै सो बैतांबि हात आसन है १० औ
स्त्री [illegible] बैठा पड़ै आपकै चीरा बैं
पार छाती सौं लिपट भोग करै संभोग
करना मेंहे येक ऊंचो [illegible] सारे घाम
करै सो हूनरो [illegible]

अस्त्रीकलोटलैयसौवै लाल नरता
कपावैहेगाय आपकोछातीसोल १।
ह्रसरोसेजपरहै पानी। कोन्नकरै
हेवीणीकानामअग्रासनहै यहजवान,
गाईसोकरियै १ वारवार अञ्जु
वैतहपुरसमेनोगकरै पटहानुमा
ईतसोहपुरसम पटवेरतिवर सोमं
पुरनामअत्रासनहै २ वैसे अस्त्रीकरै
हांसोपवेत्रपावनकरे वैठोडे नासे,
बैलमौव नरतारसैविकेनोगकरै सो
कुरक्रटनामआसनहै अस्त्रीनोअ
मुवायेहोलहै ३ पचुपन वैचैन
पुरतिकरै लगाई वार
पेढै पा उपावलेवे नुलेनी
सो

जैसैयनादिसैगैरै याहुपुरसमोगक
[illegible]रहि आसनहै ३ औरजैसेस्त्री
[illegible]वकहतैसेपुरसै आपनकीजांघ
मेहियहांथिनाहि आपकीनाडीमै
रैकेरिसैमोम्करै सोफाणिपासआस
है ४ जोपुरुषहोतोनपेरहैहैउनकी
स्त्रीकीजांघहै ३ आपकोकहोणीनै
रतारहैपु याहै आपकेकैओमआप
[illegible] फेररतिकरै ताकौसंज्ञ
आसनहै ५ औरकहतहै हेउसना
ववैहैपुसोमुसमाहै हेउबांहनमे
[illegible]

भांतिभोगकरैकरमे।
रवैकपावऊंचेरहै।तोपरिवर्त-
य।७।लुगाईरेकपावजोडिकुंचवेड
तार।आडोहोयभोगकरै।जुमपद
नहोतहै।८।लुगाईवैठिकैपुरसकं
रियकडै।म
वारवारहलावै।वारवारह
चुंवनकरै।यहमर्कटआसनहै।।
भृतजे।।अस्त्रीपुरसदेष्ठडभेभोगकरै
पुरसअस्त्रीकोदेकजाघआपकीहै
णीनपेलेयरैकहाथनसौग्रनापकडै
रतिकरैकरपदआसनहै।१३।भीअस्त्री
कोयेकपावकहैणीपैलेय।।येकपावऊं
रे।यानातिरतिरकरै।ग्रीवापकडकर
।सोनरिति

नीति मोनावरे सोरलिकारति च्यासन

[illegible] सेरुपावरोउ

[illegible]मुमाईधुरती मेटै नीयाको

[illegible]स्तुवालाईपुसके च्यागेरहेर

[illegible] मरिपवाई कैलु

[illegible] सोपक्ष्मासनहे [illegible]

[illegible] मोलि [illegible] नीयाप

[illegible] लालहोनु

[illegible] सोरवहेलुगा

[illegible] मे [illegible] गाथनपा

[illegible]

[illegible] सोदा

रोरुपावकसोमेटले न॰
ले हलेपावनकोहलाजै वुगलानाई
रूजोविपरीतकोनेहसै २ औरकह
हीमोतिमरतारसुंधोसोवे अस्लोठ
वैकामदेवकैवेगतेवंचलहोय रोऊ
वदंऊवेरथैपाछे आपनेलाथ न ग प
गराये फेरिकरिआपकोहलवचपला
तासोउत्कलकानामआसनहै ३ औ
कहतहै विपरतरतकैविसमैथलुगाई
उरितकैरै सीकारीमेरहै मरना कोद्दं
उरहास्यमैदमेरकरै क गटसोकहतहै
रेवस्यहोय तुममेनेजानिलीन औरय
ततानेउनकीवचनकोअनकोइ
केलिकर ४ असेकेलिविपरीतकर
इनवाव मैसुंदर्य

[illegible] मुषऔरनासिकाग्रज
सर्व्वअवारहोयसोहिकृतकहियै १८
जैसेमेहगाजेगंनारऔसोसवदत्र
है [illegible]कोनामतनितहै ३ औरजैसे
कैमाहिमेहकोबूंदपडेतिनकोस
यनाहि [illegible]रीलुगाईहरदतेमेरे
[illegible]कहयो [illegible]पानीहिसोकारं
थूक [illegible]लाकोसो [illegible]कोयलको
[illegible]लकं [illegible]केसेसवद
[illegible]गमे [illegible]
[illegible]
[illegible]

ेचिहनदेषै॥ सोचिहनकहत
नअंजन॥ औरहूअस्त्रीकेआन
त्रहनपतिकेअंगमेदेषै॥ औरन
रेलालनेत्रदेषै॥ तवचतुराईसो
मत्ताकेवचनकहकेवातजना
गुपतराषै॥ सोपंडितानकहियै॥१॥
सज्याजोअस्त्रीसुंदरभवनसुधा
केआगमकेनालेसुंदरसेजस
मापवस्त्रगहनाअंगरागकाउस
सुगधऔररतिकीसामाकरैषे
रदेषै॥ चक्रसोसीरहे॥ उनआहट
रवहीहरषकरै॥ [illegible] पतिकौज
औरनायककेआलेनही॥ [illegible]
आकहियै॥ [illegible] अथ [illegible]
मतोपति [illegible] काहू [illegible]

य दीनवचनकहै आपकोनीदा
विधाताकोदोसदेयसोकलहंतरि
ताकहिये ३
स्त्रीकामदेवकेजोर
निरलजहोय सिंगारकरिकै गु
प्तिमैसंजोगकेवास्तेपरघरजाय
औरवोरजोयजाकोअ
ताकहिये ४ पीतमके
यवेकोहलाने औरआयवहोतर
मेचपलहोयकेसंकेतकोजाय
ह्वांपिआवेनही बाटदेषेफेरिपछ
मनमेंबहोतकरे सोविप्रलब्धाके
५ कोनलवि